4 राजपूतों की उत्पत्ति

1. कवि चन्दबरदाई ने राजपूतों की कितनी शाखाओं का वर्णन किया है?
(1) 12 (2) 24
(3) 36 (4) 42 (3)

2. डॉ. भंडारकर ने गुहिल राजपूतों की उत्पत्ति किससे होना माना है?
(1) कुषाण (2) वैदिक आर्यों से
(3) अग्निकुण्ड से (4) नागर ब्राह्मणों से (4)

3. हर्षनाथ शिलालेख में चौहानों को .....बताया है–
(1) सूर्यवंशी (2) चन्द्रवंशी
(3) वैदिक आर्यों की संतान (4) अग्निकुण्ड से उत्पन्न (1)

4. डॉ. गौरीशंकर ओझा व सी.वी. वैद्य ने राजपूतों की उत्पत्ति मानी है–
(1) अग्निकुण्ड से (2) ब्राह्मणों से
(3) विदेशियों से (4) वैदिक आर्यों से (4)

5. पृथ्वीराज रासो के अनुसार राजपूतों की उत्पत्ति कैसे हुई?
(1) अग्निकुण्ड से (2) ब्राह्मणों से
(3) विदेशियों से (4) वैदिक आर्यों से (1)

6. भारतीय इतिहास में निम्न में से किस अवधि को 'राजपूत काल' कहा जाता है?
(1) चौथी शताब्दी से छठी शताब्दी
(2) सातवीं से बारहवीं शताब्दी
(3) नौवीं से तेरहवीं शताब्दी
(4) तीसरी से बारहवीं शताब्दी (2)

7. गुहिल राजवंश ने राजपूताना के किस भाग पर शासन किया?
(1) मारवाड़ (2) मेवाड़
(3) हाड़ौती (4) शेखावाटी (2)

8. निम्न में से किस विद्वान ने राजपूतों को सूर्यवंशी व चन्द्रवंशी बताया है?
(1) डॉ.दशरथ शर्मा (2) कर्नल जेम्स टॉड
(3) डॉ.भण्डारकर (4) मुहणौत नैणसी (1)

9. निम्न में से कौनसे वंश की उत्पत्ति अग्निकुंड से नहीं हुई?
(1) परमार (2) सिसोदिया
(3) चौहान (4) चालुक्य (2)

10. कनिंघम ने 'ब्रोचगुर्जर' नामक ताम्रपत्र के आधार पर राजपूतों के 'यू–ची' जाति का वंशज मानते हुए इनका सम्बध किस जाति से जोड़ा है?
(1) हूण जाति से (2) कुषाण जाति से
(3) गुर्जर जाति से (4) इनमें से कोई नहीं (2)

11. राजपूतों की विदेशी उत्पति का मत सर्वप्रथम कर्नल टॉड ने प्रतिपादित किया है, इस मत का खंडन निम्न में से किस विद्वान किया है?
(1) डॉ. गौरीशंकर ओझा (2) मुहणौत नैणसी
(3) सूर्यमल्ल मिश्रण (4) मनुस्मृति (1)

12. निम्न में से किस विद्वान ने अग्निकुण्ड से उत्पत्ति के सिद्धान्त का खण्डन किया है?
(1) डॉ.दशरथ शर्मा (2) डॉ. ईश्वरीप्रसाद
(3) डॉ. गौरीशंकर ओझा (4) उक्त सभी (4)

व्याख्या– डॉ. गौरीशंकर ओझा लिखते है कि 'पृथ्वीराज रासो' का सहारा लेकर जो विद्वान इन चार राजपूत वंशों को अग्निवंशीय मानते है तो यह उनकी हठधर्मिता है। डॉ. दशरथ शर्मा व डॉ. ईश्वरी प्रसाद ने अग्निकुंड से उत्पत्ति के सिद्धांत को कल्पना मानते हुए खंड़न किया है।

13. मनुस्मृति के अनुसार राजपूतों की उत्पति बताई गई है?
(1) क्षत्रियों से (2) विदेशियों से
(3) ब्रह्म/वैदिक आर्यों से (4) हूणों से (3)

14. राजस्थान के राज्य व राजवंश किस विकल्प में सुमेलित नहीं है?
(1) शाकम्भरी– चौहान (2) शाहपुरा– गुहिल
(3) सिरोही– हाड़ा (4) प्रतापगढ़– गुहिल (3)

व्याख्या– सिरोही रियासत में देवड़ा चौहान राजवंश था।

15. किस क्षेत्र को प्राचीन काल में खेराड़ प्रदेश के नाम से जाना जाता था?
(1) जहाजपुरा– भीलवाड़ा (2) गिहलोट– उदयपुर
(3) मालपुरा– टोंक (4) मेवात– अलवर (1)

16. राजपूतों की उत्पत्ति वैदिक आर्यों की संतान होने की जानकारी किन–किन विद्वानों ने दी हैं?
(1) डॉ. भण्डारकर व गोपीनाथ शर्मा
(2) गौरीशंकर औझा व सी.वी. वैद
(3) मुहणौत नैणसी व सूर्यमल्ल मिश्रण
(4) दशरथ शर्मा व गौरीशंकर औझा (2)

17. निम्न में से कौनसा राजवंश व रियासत सुमेलित नहीं है?
(1) गुहिल– डूँगरपुर, शाहपुरा, बांसवाड़ा व प्रतापगढ़
(2) चौहान– अजमेर, रणथम्भौर, नाडोल व सिरोही
(3) राठौड़– जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़ व मेड़ता
(4) कच्छवाहा– आमेर, करौली, जयपुर व अलवर (4)

व्याख्या– कच्छवाहा राजवंश आमेर, जयपुर व अलवर में थे। करौली में यादव राजवंश थे।

18. डूँगरपुर व बांसवाड़ा के मध्य का भाग प्राचीन काल में किस नाम से जाना जाता था?
(1) कांठल (2) मालव प्रदेश
(3) बरड़ (4) मेवल (4)

19. निम्नलिखित में से सुमेलित नहीं है? (राजवंश– स्थापना वर्ष)
(1) किशनगढ़ 1609 ई. (2) झालावाड़ 1838 ई.
(3) नाडोल 995 ई. (4) शाकम्भरी 551 ई. (3)

व्याख्या– नाडोल राज्य की स्थापना 960 ई. में हुई थी।

20. भीनमाल तथा आबू में किस राजवंश का शासन था?
(1) राठौड़ (2) कच्छवाहा
(3) चौहान (4) चावड़ा (4)

Dhindhwal Publication

21. निम्न में से किस क्षेत्र को प्राचीन काल में बरड़ नाम से भी जाता था?
(1)बूँदी जिले का पश्चिमी पथरीला क्षेत्र
(2) कोटा जिले का बीहड़ क्षेत्र
(3) भरतपुर व अलवर के बीच का क्षेत्र
(4) दक्षिण पूर्वी बाड़मेर का क्षेत्र (1)

22. चौहान शासकों का शासन निम्न में से किस स्थान पर नहीं रहा है?
(1) सांभर (2) हाड़ौती
(3) सिरोही (4) धौलपुर (4)

व्याख्या– धौलपुर रियासत में जाट राजवंश का शासन था।

23. किस शिलालेख के आधार पर कहा जा सकता है कि राजपूतों की उत्पत्ति ब्राह्मणों से हुई है?
(1)बिजोलिया शिलालेख (2) आबू पर्वत का शिलालेख
(3) हर्षनाथ शिलालेख (4) ओसियां का शिलालेख (1)

24. आबू पर्वत शिलालेख (1285 ई.) में गुहिल वंशीय राजपूतों की उत्पत्ति किससे बताई गई है?
(1) गुरु वशिष्ठ की संतान (2) रघुकुल से
(3) अग्निकुण्ड से (4) ब्राह्मणों से (2)

25. कौनसा कूट सुमेलित नहीं है?
(1) जोधपुर– राठौड़ (2) जयपुर– कछवाहा
(3) अजमेर– भाटी (4) सिरोही– चौहान (3)

व्याख्या– अजमेर में चौहान राजवंश का शासन था।

26. गुर्जर–प्रतिहार शासक इस नाम से भी जाने जाते हैं?
(1) वैदिक आर्यों की संतान (2) अग्निकुण्डीय राजपूत
(3) विदेशी संतान (4) सूर्यवंशी राजपूत (2)

27. निम्न में से कौनसा सुमेलित नहीं है–

वर्तमान नाम	प्राचीन नाम
(1) धौलपुर	– कोठी
(2) बीकानेर	– जांगल
(3) जोधपुर	– मरु भूमि
(4) नगरी	– दीर्घवती (4)

व्याख्या– नगरी का प्राचीन नाम मध्यमिका था तथा दीर्घवती डीग का प्राचीन नाम था।

28. निम्नलिखित में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है?
(1) डॉ. भंडारकर – ब्राह्मणों से उत्पत्ति
(2) कर्नल टॉड – विदेशियों की संतान
(3) डॉ. दशरथ शर्मा – सूर्यवंशी व चन्द्रवंशी
(4) गौरीशंकर हीराचन्द ओझा – हुणों की संतान (4)

व्याख्या– गौरीशंकर हीराचन्द ओझा राजपूतों को भारतीय आर्यों के क्षत्रिय वर्ण की संतान मानते है।

29. आमेर में कछवाहा राजवंश की स्थापना दुलहराय द्वारा कब की गई थी?
(1) 1137 ई. (2) 1178 ई.
(3) 1240 ई. (4) 1155 ई (1)

30. राजस्थान में शासन करने वाले प्रमुख राजपूत वंश में से कौनसा एक विकल्प सही सुमेलित नहीं है–
(1) मारवाड़ – प्रतिहार, राठौड़ (2) मेवाड़ – गुहिल/सिसोदिया
(3) आमेर – कछवाहा (4) सांभर – चावड़ा (4)

व्याख्या– सांभर में चौहान राजवंश थे तथा भीनमाल व आबू में चावड़ा राजवंश थे।

Dhindhwal Publication